

सिहाना अ.क्रि. (तद्.) 1. दुखी होना 2. ईर्ष्या करना 3. ललचाना 4. तृप्त होना 5. मुग्ध होना 6. प्रशंसा करना।

सिहारना स.क्रि. (देश.) 1. एकत्र करना 2. संचित करना 3. खोजना, ढूँढना।

सिहिकना अव्य. (तद्.) 1. शुष्क, सूखना 2. विशेषतः पौधों या फसल का सूखना।

सिहिति स्त्री. (तद्.) सृष्टि।

सिहुंड पुं. (तद्.) थूहर वृक्ष, शाखखोट नामक वृक्ष।

सिहोर/सिहोरा पुं. (तद्.) शाखखोट नामक झाड़दार वृक्ष जिसके पत्ते नीले रंग के होते हैं, सिहोड़, थूहर टि. इस वृक्ष के पत्तों की आकृति गूलर के पत्तों की भाँति होती है और उन्हें छूने से खुजली पैदा होती है, इसके पत्ते हाथी दाँत पर पालिश करने के काम आते हैं।

सिहजल/सिहलक/सिल्लकी पुं. (तद्.) एक वृक्ष जिसका गोंद ही सिलारस नामक औषधोपयोगी द्रव्य होता है।

सृंग पुं. (तद्.) चोटी, शिखर।

सृंग पुं. (तद्.) 1. पुष्पमाला 2. भाला।

सृजन पुं. (देश.) सर्जन।

सृय स्त्री. (देश.) श्री।

सींक स्त्री. (तद्.) 1. मूँज आदि के तृण की तीली 2. किसी वनस्पति का पतला और लंबा तिनका 3. नाक में पहनने का स्त्रियों का एक आभूषण, लौंग 4. किसी वस्तु पर बनी पतली और लंबी धारी (देश.) वह बल्ली जिस पर छप्पर ठहरता है।

सींक-पार स्त्री. (देश.) एक प्रकार की बत्तख।

सींकर पुं. (देश.) सींक में लगा फूल।

सींक सलाई वि. (देश.) बहुत ही दुबला-पतला।

सींका पुं. (देश.) 1. छींका 2. पेड़-पौधों की वह बहुत पतली और सबसे छोटी उपशाखा या टहनी जिसमें पत्तियाँ और फूल लगते हैं।

सींकिया पहलवान वि. (देश.) व्यंग्य में किसी दुबले-पतले व्यक्ति को पहलवान कहना।

सींग पुं. (तद्.) पशुओं के सिर से निकलने वाली नुकीली कठोर संरचना, शृंग।

सींगड़ा पुं. (देश.) 1. ऐसा पशु जिसके सिर पर सींग हो 2. सिंगी नामक बाजा 3. वह चोंगा या सींग जिसमें प्राचीन काल में बारूद रखते थे।

सींगण पुं. (तद्.) सींग का बना हुआ नरसिंहा नाम का बाजा।

सींगदाना पुं. (देश.) मूँगफली।

सींगना स.क्रि. (तद्.) चुराए हुए पशु पकड़ने के लिए उनके संगी देखना और उनकी पहचान करना।

सींगरी स्त्री. (देश.) 1. एक पौधा जिसकी फली तरकारी के रूप के खाते हैं 2. मोगरे की फली।

सींगी स्त्री. (तद्.) 1. हिरन के सींग की बनी तुरही 2. रोगी के शरीर से दूषित रक्त खींचने में प्रयुक्त खोखला सींग जिसका प्रयोग जर्हाह करते हैं 3. सींगी नामक बाजा 4. एक प्रकार की मछली।

सींच स्त्री. (देश.) 1. सिंचाई 2. जल आदि का छिड़काव।

सींचाणा पुं. (देश.) सचान, बाज पक्षी।

सींची स्त्री. (देश.) खेतों या फसल को पानी से सींचने का समय।

सींथ स्त्री. (तद्.) स्त्रियों के सिर की माँग।

सींधन पुं. (देश.) घोड़ों के माथे पर ऐसा टीका या निशान जिसमें दो या अधिक भौरिया हों।

सींव स्त्री. (तद्.) 1. सीमा, हद 2. मर्यादा।

सी स्त्री. (देश.) सीता, जानकी वि. (देश.) जैसी, सदृश, समान अनु. तेज मिर्च आदि को खा लेने पर या अधिक कष्ट होने पर मुख से निकलने वाली ध्वनि, सीत्कार।

सीऊ पुं. (तद्.) बाण, तीर।